पर्यावरण मित्र

Friends of Environment

वर्तमान और भावी पीढ़ी की रक्षा करें.

प्रकृति-सेवा के ११ वर्ष

गतिविधियां- २००५-२०१५

परिचय

प्रकृति के संरक्षण हेतु पर्यावरण मित्र संस्था का गठन दिनांक 24 सितम्बर 2004 को शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश में किया गया। इसका मुख्य कार्यालय बजाज लैम्प्स की फैक्ट्री हिन्द लैम्प्स, के 80 एकड़ परिसर में स्थित है।

संस्था का मुख्य उद्देश्य भूमि, जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषणों को यथाशक्ति कम करना है जिससे हम अपनी वर्तमान तथा भावी पीढ़ी को एक बेहतर धरती सौंप सकें।

संस्था की अध्यक्षा श्रीमती किरण बजाज हैं।

संस्था के प्रबन्धकारिणी समिति में कुल 13 सदस्य हैं।

संस्था विगत वर्ष 2004 से निरंतर विभिन्न प्रकार के अभियानों की गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अपने उददेश्यों को गतिशीलता देने का प्रयत्न कर रही है।

प्रबन्धकारिणी समिति

अध्यक्ष – किरण बजाज ● उपाध्यक्ष – शेखर बजाज
●सचिव – मंगेश पाटील ●उपसचिव – हरिओम शर्मा ●कोषाध्यक्ष – श्रीकांत पाण्डेय
●उपकोषाध्यक्ष – चेतन भानुशाली ●कार्यसमिति सदस्य – मुकुल उपाध्याय, डॉ. ए.के. आहूजा, डॉ. रजनी यादव, मनमोहन सिंह, राजकिशोर सिंह, अभय दीक्षित एवं दीपक औहरी
●लेखा परीक्षक – शिखर सरीन

सम्पर्क :

मुम्बई : किरण बजाज – अध्यक्ष, टे : 022 22185933, 022 22182139
ई–मेल : ksb@bajajelectricals.com

शिकोहाबाद: अभिषेक श्रीवास्तव (+91 8394894447)
मोहित जादौन (+91 9358361489) ऑफीस फोन नं.: 05676–234018
पताः हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिलाः फिरोजाबाद (उ.प्र.), 283141.
ई–मेल : pmhoskb@gmail.com

www.paryavaranmitra.org

अनुक्रम

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यः

वृक्षारोपण 04
लघु मिश्रित वनों का विकास 05
हरित पट्टिका निर्माण 05
पौधशाला का निर्माण 06
पी.यू.सी. जाँच 06
जलावन निषेध– कचरे का निस्तारण 06

जल प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

पुराने तालाब का जीर्णोद्धार 07
जल शुद्धिकरण परियोजना 07
वर्षा जल–संचयन परियोजना 08

भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

गाँव–गाँव जैविक खेती व्यवहारिक शिक्षण 09
किसानों को मिट्टी परीक्षण की को जानकारी देना 09
जैविक खाद एवं कीटनाशक का उत्पादन एवं प्रशिक्षण 10
जैविक बीज और खेती प्रशिक्षण 10
किसान बाजार /जैविक मेला 11

ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए किये जाने वाले कार्यः 12

जागरूकता कार्यक्रम :

विद्यार्थियों को वन प्रशिक्षण (वन दर्शन) 13
तम्बाकू जनजागरूकता अभियान 14
रैली, सेमिनार, संगोष्ठी एवं कार्यशाला 15
चित्रकला तथा प्रश्नोत्तरी क्विज प्रतियोगिता 16
दीवार लेखन 16
स्वच्छता जागरूकता तथा पालीथिन के विरूद्ध अभियान 17
पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे शिखर व्यक्तित्वों का सहभाग 18
मैराथन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता 19

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यः

वृक्षारोपण

- वैज्ञाानिक व उचित तरीके से वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए “आओ पेड़ लगाएं” अभियान।
- जागरूकता के साथ ही भारत वर्ष के विभिन्न गांवों, स्कूल, कालेज, अस्पताल, मन्दिर–प्रांगण आदि स्थानों पर वृक्षारोपण।
- 2004 से 2015 तक लगभग 2 लाख से अधिक पौधे रोपित किए गए; साथ ही उनकी सुरक्षा की ठोस पहल।

विभिन्न अवसरों पर वृक्षारोपण की झलकियां

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यः

लघु मिश्रित वनों का विकास

- हिन्द परिसर, शिकोहाबाद एवं कोसी फैक्ट्री की अनुपयोगी भूमि पर विविध प्रकार के पौधे लगाकर 20 लघु मिश्रित वनों का विकास।
- इस प्रयास के लाभ हैं– जैव विविधता, संरक्षण, स्वच्छ वायु तथा स्थानीय तापमान में कमी।
- देश के कारखानों तथा संस्थानों की अनुपयोगी भूमि पर इस प्रयोग के व्दारा प्रेरणा और आग्रह।

हिन्द परिसर में स्थित मिश्रित वन

हरित पट्टिका निर्माण

- नगरों को प्रदूषण तथा गंदगी से मुक्त करने के लिये सड़क के किनारे अन्य संस्थाओं और बैंको की सहभागिता से हरित पट्टिकाओं का निर्माण।
- शिकोहाबाद एवं मुम्बई में कई हरित पट्टिकाओं का निर्माण।

पहले

अब

वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य:

पौधशाला का निर्माण (नर्सरी)

- वानस्पतिक ज्ञान के प्रसार तथा व्यावहारिक शैक्षणिक अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से पौधशाला निर्माण।
- वृक्षारोपण और जैविक विविधता के लिए विभिन्न प्रकार के पुष्प तथा वन के पौधे एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करना और किसानों को पौध वितरण।

पुष्प नर्सरी

वन नर्सरी

पी.यू.सी. जाँच

- पी. यू. सी. जाँच कराने में सहयोग और जोर।
- बजाज इलेक्ट्रिकल्स तथा उसकी तमाम सहयोगी कंपनियों में प्रत्येक कार मालिक के लिए यह जाँच अनिवार्य है।

जलावन निषेध– कचरे का निस्तारण

- कचरे से खाद बनाकर कचरा निस्तारण की दिशा में कार्य।
- कचरे को जलाने की बजाय बल्कि सूखे एवं गीले कचरे को विभाजित कर उससे खाद बनाना।
- कचरे के निस्तारण एवं जैविक खाद बनाने की पद्धति का प्रशिक्षण देना।

जल प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

पुराने तालाब का जीर्णोद्धार

- पुरातन तालाबों को अंगीकृत कर जलसंरक्षण एवं संवर्धन के लिए तथा अतिक्रमण एवं कब्जे से बचाकर धरोहर के रूप में सुरक्षित रखने का प्रयास।
- गांव एवं उस क्षेत्र को पानी की समस्या से निजात तथा भूजल स्तर में सुधार।
- शिकोहाबाद के ग्राम फतेहपुर कर्खा में ऐतिहासिक तालाब को सरकार,समाज एवं संगठनों के एकीकृत प्रयास से पुर्नजीवित करने की दिशा में कार्य।

प्रचीन फतेहपुर कर्खा तालाब में ग्रामीणों के सहयोग से सफाई अभियान

तालाब की सफाई एवं खुदाई के बाद उसमें छोडे गए पानी का दृश्य

जल शुद्धिकरण परियोजना

- कारखानों से निकलने वाले प्रदूषित जल को शुद्धिकरण संयंत्रों के माध्यम से शुद्ध कर उसे पुर्नप्रयोग के योग्य बनाना।
- जल शुद्धिकरण संयंत्रों की बारे में जानकारी तथा विभिन्न औद्योगिक संस्थानों में इस प्रकार के संयंत्रों के स्थापना के प्रसार पर बल।
- हिन्द परिसर में ऐसे संयंत्र का प्रयोग एवं प्रशिक्षण ।
- सरकार से इसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास।

पानी प्रवाह उपचार संयंत्र

वर्षा जल–संचयन परियोजना

- जल संरक्षण के लिए वर्षा जल–संचयन प्रकल्प का हिन्द परिसर में निर्माण।
- प्रकल्प से वर्षा जल–संचयन भू–जल पुनर्भरण।
- प्रकल्प की निर्माण विधि एवं भरण विधि से छात्र–छात्राओं एवं संस्थाओं को अवगत कराना।

विभिन्न प्रकल्पों द्वारा जल संचयन

भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

गाँव–गाँव जैविक खेती व्यवहारिक शिक्षण

- पर्यावरण मित्र द्वारा 2012 से किसानों के मध्य प्रारम्भ एक बीघा जैविक खेती परियोजना से शिकोहाबाद एवं मदनपुर विकास खण्ड के विभिन्न गांवों के सैकड़ों किसान जुड़ चुके हैं।
- किसानों एवं विद्यार्थियों को जैविक खेती के विभिन्न आयामोंकी गहनता से जानकारी देना।
- पर्यावरण मित्र द्वारा जैविक खेती – 12 एकड़ में खरीफ तथा रबि की फसल का हर वर्ष करीब 20,000 किलो का उत्पादन।
- किसानों द्वारा पानी, मिट्टी व हवा शुद्ध करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ। इस परियोजना से अब तक कुल 150 किसानों का जुड़ाव।

जैविक किसान प्रशिक्षण

किसानों को मिट्टी परीक्षण की विधी बताना

- जैविक खेती करने वाले किसानों के खेतों की मिट्टी का नमूना लेने के तरीके के बारे में तकनीकी जानकारी देना।
- नमूनों को जनपद के कृषि विभाग के मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भिजवाना।
- परीक्षण के आधार पर दिए गए परामर्श के अनुसार खाद एवं बीज के प्रयोग के बारे में किसानों को जानकारी देना।
- पर्यावरण द्वारा मिट्टी परीक्षण विधी की पुस्तिका प्रकाशित कर उसका किसानों के मध्य वितरण।

मिट्टी जॉच प्रशिक्षण

जैविक खाद एवं कीटनाशक का उत्पादन एवं प्रशिक्षण

- प्रामाणिक ढंग से नाडेप एवं केंचुआ खाद तथा विभिन्न प्रकार के जैविक कीटनाशक का उत्पादन ।
- शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों, विद्यार्थियों, किसानों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण।
- **25,000** से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- पर्यावरण द्वारा जैविक खाद एवं जैविक कीटनियंत्रक: प्रयोग एवं उपयोगिता पुस्तिका का मुफ्त वितरण

नाडेप

केंचुआ खाद

कीटनाशक

जैविक बीज और खेती का प्रशिक्षण

- कृषि विशेषज्ञ और सहायक द्वारा गांव के किसानों को जैविक बीज की पूर्ण रुप से जानकारी देना।
- खेत तैयारी से लेकर बीज लगाना, फसलों का निरीक्षण तथा फसल में व्याधि आने पर उनका जैविक विधि से उपचार करना एवं प्रशिक्षण देना।
- फसल तैयार हाने तक और उसके बाद उसका मूल्यांकन करना।
- किसानों को बीज संरक्षण के लिए भी प्रेरणा।

जैविक गेंहूँ की फसल

जैविक अरहर की दाल

जैविक लौकी

जैविक ऑवला

किसान बाजार /जैविक मेला

Certified by ECOCERT India Pvt. Ltd.

- शिकोहाबाद तथा मुम्बई में प्रतिवर्ष जैविक उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन।
- जैविक मेले का उद्देश्य लोगों को रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना।
- जागरूकता के अंतर्गत जैविक बीज, खाद, फूल, फल के पौध एवं गमलों की प्रदर्शनी एवं बिक्री के साथ–साथ उनके प्रयोग एवं लाभ के बारे में जानकारी देना।

मुम्बई एवं शिकोहाबाद में जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूकता

ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए किये जाने वाले कार्य:

- स्कूल, कालेजों, प्रशासन, मीडिया में ई–कार्ड एवं पत्र, पेन्टिग, गोष्ठियों द्वारा पटाखों, आतिशबाजी, बैंड बाजा, लाउडस्पीकर निषेध के लिए निरंतर ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए जागरूक अभियान ।
- प्रतिवर्ष दशहरा एवं दीपावली के पर्व पर पर्चों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से पटाखों, आतिशबाजी, बैंड बाजा, लाउडस्पीकर, शादीयों में बंदूक चलाना इनसे होने वाली हानियों के बारे में जन जागरूकता।
- निरन्तर स्थानीय प्रशासन से विभिन्न ध्वनि प्रदूषणों को कम करने के लिए लिखित रुप में भी अनुग्रह करना।

क्या आपको पता है-
प्रतिवर्ष दीपावली में क्या-क्या होता है..?

- पटाखों से जलने के कारण भारत में असंख्य दर्दनाक दुर्घटनाएं एवं मौतें हो जाती हैं.
- पटाखों की वजह से बच्चों एवं जनसामान्य को खतरनाक अपंगता अंधापन, बहरापन ,दिल का दौरा हो जाता है तथा दमा और फेफड़े आदि की बीमारियां होती है.
- भारत जैसे गरीब देश में करोड़ो रुपए, पटाखे जलाने में स्वाहा हो जाते हैं तथा भयंकर रुप से जानमाल की हानि होती है.
- असुरक्षित स्थान और गैरकानूनी पटाखा कारखानों में बाल मजदूरी कराई जाती है, जिसमें हजारो गरीब बच्चे मर जाते हैं और अपंग हो जाते हैं जो कि क्रूर ,गैर कानूनी एवं बाल हत्या हैं.
- पटाखों के कारण हवा–पानी–जमीन विषाक्त होते हैं तथा वैश्विक तपन में वृद्धि होती हैं जिससे पशु–पक्षियों सहित अन्य जीवधारियों तथा पेड़–पौधों पर भयंकर दुष्प्रभाव पड़ता है.

क्या यह सब जानते भी हुए आप पटाखों का इस्तेमाल करेगें ? अपने घर की लक्ष्मी को स्वाहा करेगें ? दुर्घटनाओं और बीमारियों को निमंत्रण देगें ? पर्यावरण मित्र का सविनय आग्रह–पटाखे खरीदने एवं जलाने में अपने धन स्वाहा करने की बजाय,उसे बालहित और प्रकृति संरक्षण के नेक काम में लगाएं.

पर्यावरण के शत्रु नहीं, मित्र बनें.
वर्तमान और भावी पीढ़ी की रक्षा करें

पर्यावरण मित्र, हिन्द परिसर, शिकोहाबाद की ओर से जनहित में प्रसारित।
फोन नं.– 05676–234018, ई–मेल– pmhoskb@gmail.com
www.paryavaranmitra.org

विद्यार्थियों को वन प्रशिक्षण (वन दर्शन)

विद्वतजन, शिक्षक, विद्यार्थी एवं युवा ही हमारे देश के कर्णधार हैं। पर्यावरण मित्र का मानना है कि जब इनके मन में प्रकृति रक्षण के प्रति संवेदनशीलता एवं जागरूकता बढ़ेगी तो अवश्य ही धरती का पर्यावरण बदलेगा।

- शिक्षकों विद्यार्थियों में वन एवं वृक्षों के महत्व के प्रति जागरूकता और व्यावहारिक ज्ञान के लिए 2010 से 'वन दर्शन' कार्यक्रम संचलित।
- अभी तक विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 25,000 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित ।

विद्यार्थियों को जैविक खाद प्रशिक्षण

पेड़ एवं वनों के लाभ का प्रशिक्षण

वन दर्शन के दौरान हिन्द लैम्प्स परिसर स्थित कमलनयन कानन वन में समूह छायांकन

तम्बाकू जनजागरूकता अभियान

- तम्बाकू मुक्ति अभियान में छात्र–छात्राओं एवं जनसामान्य के मध्य तम्बाकू से होने वाले दुष्परिणामों एवं उसके निदानों के बारे जागरूक करना।
- लघुनाटिका, मॉडल पेन्टिंग प्रतियोगिता एवं कार्यशाला इन आयोजनों द्वारा समाज को प्रभावी संदेश।
- वर्ष 2005 से यह अभियान निरंतर जारी।

तम्बाकू के खिलाफ शपथ गृहण

सिगारेट का धुआँ
मौत का कुआँ

विभिन्न विद्यालयों में हुयी पेन्टिंग प्रतियोगिता की प्रदर्शनी

तम्बाकू के विरोध में नुक्कड़ नाटक

मुम्बई में आयोजित तम्बाकू विरोधी कार्यक्रम में कैंसर स्पेशलिस्ट डा. चतुर्वेदी के साथ

रैली, सेमिनार, संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का आयोजनः

- विभिन्न पर्यावरणीय दिवसों तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े पहलुओं पर समय–समय पर रैलियों, सायकल रैलि, मानव श्रृंखला।
- आयोजनों में अब तक 35,000 से अधिक विद्यार्थियों एवं अन्य की सहभागिता।
- समय–समय पर जनपद स्तर की संस्थाओं एवं राज्य/राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं के साथ पारस्परिक सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए सहयात्रा एवं सेमिनार का आयोजन।

साईकिल द्वारा रैली निकालकर प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता

विद्यार्थियों द्वारा वन प्रोत्साहन के लिए रैली

फिरोजाबाद जिलाधिकारी श्रीमती संध्या तिवारी द्वारा जनचेतना पदयात्रा रैली का हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ

तम्बाकू के खिलाफ, पीठ पर लिखे नारे के साथ पर्यावरण प्रेमी

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की शपथ कराते विजय किरन आनन्द जिलाधिकारी फिरोजाबाद

चित्रकला तथा प्रश्नोत्तरी क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन

विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा तैयार की गई पेन्टिंग

- स्कूली बच्चों एवं कालेज के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- आयोजनों में अब तक 40,000 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता।

पर्यावरण प्रश्नोत्तरी में छात्र–छात्राएँ

दीवार लेखन

- जागरूकता के लिए दीवार लेखन को एक विशिष्ट एवं प्रभावी औजार के रूप में अपनाकर वर्ष 2004 से निरन्तर नारा लेखन का कार्य।
- दीवारों की पीली पृष्ठभूमि पर हरे रंग से बड़े–बड़े अक्षरों में हिन्दी एवं स्थानीय भाषाओं में बाजार के मुख्य चौक–चौराहों, रेलवे एवं बस स्टेशन , स्कूल, कालेज, अस्पतालों, मन्दिर एवं सार्वजनिक स्थानों पर लिखवाना।
- 2004 से 2014 तक शिकोहाबाद, बटेश्वर, फिरोजाबाद, आगरा मथुरा, वृन्दावन, गोवर्धन, कोसी, हरिद्वार ऋषीकेश, बनारस, पटना, लखनौ, कानपुर इत्यादि में हजारों स्थानों पर दीवार लेखन का कार्य।

विभिन्न तीर्थस्थलों पर जागरूकता हेतु नारा लेखन

स्वच्छता जागरूकता तथा पालीथिन के विरूद्ध अभियान:

- राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ मिलकर स्वच्छता कार्यक्रमों का संपादन।
- बटेश्वर में यमुना तट पर सफाई एवं गांवों में ग्रामीणवासियों को साफ–सफाई के तौर तरीकों के बारे में जानकारी देना। गंदगी से होने वाली हानियों तथा बचाव के उपाय के बारे में बताना।

जन-जन ने यह ठाना है।
यमुना से गंदगी मिटाना है।।

विश्व जल दिवस के अवसर पर यमुना सफाई अभियान

विश्व जल दिवस के अवसर पर श्रीमती किरण बजाज के नेतृत्व में यमुना सफाई

पुतलों के माध्यम से जागरूकता

एन.एस.एस. के विद्यार्थियों के साथ तालाब सफाई अभियान

- विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन कर गतिविधियों के पक्ष में जनमत निर्माण।
- पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित महत्वपूर्ण दिवसों जैसे विश्व वानिकी दिवस, विश्व जल दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस आदि पर विशिष्ट विद्वानों एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे शिखर व्यक्तित्वों को आमंत्रित कर उनका सम्मान व्याख्यान एवं प्रेरणा।
- अभी तक हुए कार्यक्रमों में 'चिपको' आन्दोलन के नेता एवं पर्यावरणविद् सुन्दरलाल बहुगुणा, लेखक, पर्यावरण कार्यकर्ता एवं सँक्चुरी ऐशिया के संस्थापक संपादक बिटटु सहगल, पर्यावरणविद् पद्मभूषण चण्डीप्रसाद भटट्, भागवत भास्कर श्री कृष्णचन्द्र शास्त्री 'ठाकुर जी', जलपुरूष राजेन्द्र सिंह, स्त्री मुक्ति संघटन अध्यक्ष, ज्योति म्हापसेकर, मिश्रित वनों के महानायक जगत सिंह 'जंगली', बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसायटी के माननीय सेक्रेटरी, डॉ. अशोक कोठारी, अमृत कृषि विचार के प्रर्वतक दीपक वल्ल्भभाई सचदे, सामाजिक संचार एवं मनौवैज्ञानिक श्रीमती सुदीप्ता व्यास एवं डॉ. अनीष अंधेरिया आदि का आगमन, व्याख्यान और सुझाव।

श्रीमती ज्योति म्हापसेकर

श्री बिटटु सहगल

श्री चण्डीप्रसाद भटट्

दीपक वल्ल्भभाई सचदे

श्री कृष्णचन्द्र शास्त्री 'ठाकुर जी'

श्री सुन्दरलाल व विमला बहुगुणा

कविता मुखी

श्री जगत सिंह 'जंगली'

राजेंद्रसिंह

श्री अनीस अंधेरिया

डॉ. पंकज

अदिती पारिख

सुदीप्ता व्यास

शिरीष देशपांडे

मैराथन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता:

- पर्यावरण मित्र लिए के बजाज इलेक्ट्रिकल्स कम्पनी द्वारा विविध शहरों जैसे मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद में वर्ष 2005 से निरन्तर मैराथन दौड़ का आयोजन।
- हर साल मुम्बई में स्टैंडचार्ट द्वारा आयोजित मैराथन में बजाज इलेक्ट्रिकल्स की बहुलतासे सहभागीता।
- 'पर्यावरण मित्र' के संदेशों की पट्टिकाओं, बेनर के साथ बजाज इलेक्ट्रिकल्स कम्पनी के कर्मचारीओं की उत्साह के साथ भागीदारी।

मुम्बई में स्टैंडचार्ट द्वारा आयोजित मैराथन में बजाज इलेक्ट्रीकल्स एवं पर्यावरण मित्र

ई–कार्ड द्वारा

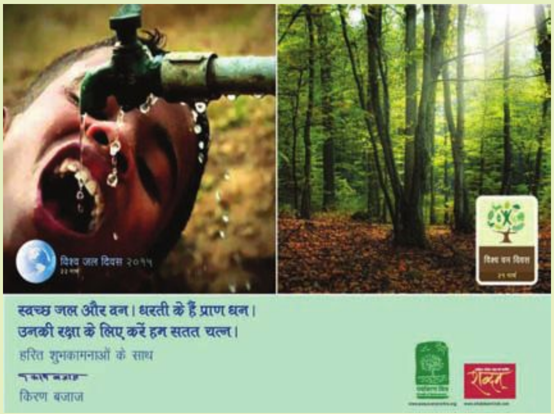

सम्पर्क : मुम्बई : किरण बजाज – अध्यक्ष,
टे : 022 22185933, 022 22182139 ई–मेल : ksb@bajajelectricals.com

शिकोहाबादः अभिषेक श्रीवास्तव (+91 8394894447) मोहित जादौंन (+91 9358361489)
फोन नं.: 05676–234018
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला: फिरोजाबाद (उ.प्र.), 283141
pmhoskb@gmail.com

www.paryavaranmitra.org